भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
04.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1601 का उत्तर

भरतपुर, राजस्थान के लिए नई रेल परियोजनाएं

1601. श्रीमती संजना जाटव:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश विशेषकर राजस्थान के भरतपुर में वर्ष 2014 से अब तक वर्ष-वार कितनी नई रेल पटरियां बिछाई गई हैं;

(ख) कितनी रेल पटरियों को चालू किया गया और उन पर कितनी राशि खर्च की गई;

(ग) वर्ष 2014 से अब तक देश में, विशेषकर भरतपुर के लिए कितनी नई परियोजनाओं की घोषणा की गई है; और

(घ) क्या इन परियोजनाओं के साथ कामडीग पर्वतीय रेल परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में कितना बजट आवंटित किया गया है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

S.K

भरतपुर, राजस्थान के लिए नई रेल परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 04.12.2024 को लोक सभा में श्रीमती संजना जाटव के अतारांकित प्रश्न सं. 1601 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है न कि राज्य-वार। क्योंकि, रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्द्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर शुरू किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फारवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, संपूर्ण भारतीय रेल में 7.44 लाख करोड़ रुपए लागत की कुल 44,488 कि.मी. लंबाई वाली 488 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (187 नई लाइन, 40 आमान परिवर्तन 261 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 12,045 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 2.92 लाख करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (छोटी लाईन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	187	20199	2855	160022
आमान परिवर्तन	40	4719	2972	18706

S.K

दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	261	19570	6218	113742
कुल	488	44,488	12,045	2,92,470

लागत, व्यय और परिव्यय सहित सभी रेल परियोजनाओं का जोन-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

संपूर्ण भारतीय रेल में नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	7,599 कि.मी.	4.2 कि.मी./दिन
2014-24	31,180 कि.मी.	8.54 कि.मी./दिन (2 गुना से अधिक)

<u>राजस्थान</u>

राजस्थान राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के उत्तर पश्चिम रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पश्चिम रेलवे जोनों में आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, राजस्थान राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 51,814 करोड़ रुपये लागत की 4,191 कि.मी. कुल लंबाई की 32 रेल परियोजनाएं (15 नई लाइनें, 05 आमान परिवर्तन और 12 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1,183 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 14,786 करोड़ रुपए व्यय किए गए हैं। कार्य की स्थिति का सारांश निम्नानुसार है:-

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	15	1230	134	3593
आमान परिवर्तन	5	1252	759	5398
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	12	1709	290	5794
कुल	32	4191	1183	14786

राजस्थान राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों का बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	682 करोड़ रुपए/वर्ष
2024-25	9,959 करोड़ रुपये (14 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-24 के दौरान राजस्थान राज्य मे पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	798 कि.मी.	159.6 कि.मी./वर्ष
2014-24	3,742 कि.मी.	374.2 कि.मी./वर्ष (2 गुना से अधिक)

S.K

पिछले तीन वर्षों (2021-22, 2022-23, 2023-24 और चालू वित्त वर्ष अर्थात् 2024-25 में राजस्थान राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 4,944 कि.मी. लंबाई के 55 सर्वेक्षण (नई लाइन और दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें भरतपुर में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली भरतपुर जंक्शन-बयाना जंक्शन तीसरी एवं चौथी लाइन (42 कि.मी.) और भरतपुर जंक्शन-मथुरा जंक्शन तीसरी एवं चौथी लाइन (34 कि.मी.) शामिल है।

*****

S.K